सुनलो विनती मेरी सरकार | by Naina Pratigya

तेरे एक दरश को तरसु मेरे लखदातार
नैना बरस रहे हैं मेरे इस दिल की सुनलो पुकार
खाके इस जहाँ की ठोकरें मैं भटकी हर एक द्वार
कब सुनोगे इस दिल की बातें मेरे सांवरिया सरकार

तेरा कब तक करूँ सांवरे इंतज़ार
है ये दर्श को दिल बेकरार
सुनलो विनती मेरी सरकार
सुनलो विनती मेरी सरकार .....सांवरे
सुनलो विनती मेरी सरकार

मन का ये मंदिर सूना पड़ा है
कौन जाने तुझको रोके खड़ा है
ये मन बावरा है ज़िद पे अड़ा है
सांवरे आके मन में समा जा एक बार
सुनलो विनती मेरी सरकार .....सांवरे
सुनलो विनती मेरी सरकार

प्राणो का दीपक कहीं बुझ ना जाये
ये जीवन की ज्योति रही टिमटिमाये
यादें तो आती है मगर तुम ना आये
सांवरे ज़रा मुझको भी ले तू निहार
सुनलो विनती मेरी सरकार .....सांवरे
सुनलो विनती मेरी सरकार

मेरे मन को धीरज तब तक ना आये
तेरा दर्श जब तक मुझे मिल ना जाए
सफल मेरा सुमिरन अगर तू बनाये
सांवरे दिल ये दीवाना भूले ना उपकार
सुनलो विनती मेरी सरकार .....सांवरे
सुनलो विनती मेरी सरकार

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a5%81%e0%a4%a8%e0%a4%b2%e0%a5%8b-%e0%a4%b5%e0%a4%bf%e0%a4%a8%e0%a4%a4%e0%a5%80-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%b8%e0%a4%b0%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%b0-by-naina-pratigya/